श्री सिद्धाचल में 20 नवम्बर को चार दीक्षाऐं होगी

पूज्य गुरुदेव आचार्य भगवंत श्री जिनकान्तिसागरसूरीश्वरजी म.सा. के शिष्य पूज्य गुरुदेव उपाध्याय प्रवर श्री मणिप्रभसागरजी म.सा. आदि विशाल साधु साध्वी मंडल की पावन निश्रा में बाडमेर निवासी श्री बोरीदासजी बोथरा के सुपुत्र 42 वर्षीय **श्री गौतमचंदजी बोथरा** उनकी धर्मपत्नी 36 वर्षीय **उषादेवी** पुत्र 17 वर्षीय **भरत** एवं 12 वर्षीय **आकाश बोथरा** की भागवती दीक्षा मिगसर वदि 3 बुधवार ता. 20 नवम्बर 2013 को श्री सिद्धाचल की पावन भूमि पर संपन्न होगी।

श्री गौतमचंदजी बोथरा

उषादेवी

भरत बोथरा **आकाश बोथरा**

उनकी भागवती दीक्षा की उद्घोषणा 10 सितम्बर 2013 को पारणे के दिन की गई। श्री गौतमजी बोथरा ने सिद्धि तप की आराधना की और उसका पारणा दीक्षा मुहूर्त्त की उद्घोषणा के बाद किया। ता. 10 को परिवार की ओर से भरतकुमार बोथरा ने संयम ग्रहण की अपनी दृढ भावना को अभिव्यक्त करते हुए भावभीने शब्दों में पूज्यश्री से मुहूर्त्त प्रदान करने का निवेदन किया। ज्योंहि दीक्षा के मुहूर्त्त की घोषणा हुई, त्योंहि दीक्षार्थी परिवार हर्ष से नृत्य कर उठा। इसे देखकर उपस्थित हजारों लोगों की आँखें भर आई।

पिछले छह वषो से यह पूरा परिवार पूज्यश्री के सानिध्य में संयम की शिक्षा ग्रहण कर रहा है। दीक्षार्थी मुमुक्षुओं ने पंच प्रतिक्रमण के साथ चार प्रकरण, तीन भाष्य, कर्मग्रन्थ, वैराग्य शतक, इन्द्रिय पराजयशतक, सिन्दूर प्रकर, वीतराग स्तोत्र आदि का विशिष्ट अभ्यास किया है। मुमुक्षु भरत ने तीन कर्मग्रन्थों का अभ्यास अर्थ व विवेचना सहित किया है। साथ ही संस्कृत का अभ्यास भी गतिमान है।

मुहूर्त्त उद्घोषणा के इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री मनितप्रभसागरजी म. एवं पूजनीया बहिन म. डॉ. विद्युत्प्रभाश्रीजी म. सा. ने दीक्षार्थी परिवार के संयम भावों की अनुमोदना की। मुमुक्षु गौतमजी बोथरा के बडे भ्राता रतनचंदजी बोथरा ने सकल श्री संघ से दीक्षा के अवसर पर पधारने की विनंती की। ता. 19 नवम्बर 2013 को दीक्षार्थी परिवार के वर्षीदान का वरघोडा निकाला जायेगा।